NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 5
Chapter name : मैं क्यों लिखता हूँ

Q1.लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है, क्यों ?
Answer.लेखक ऐसा मानते है की प्रत्यक्ष अनुभव वह होता है जिसे हम अपनी आँखों के सामने होता हुआ देखते हैं और जो देखते हैं वही लिखते हैं | लेकिन अनुभव के साथ अनुभूति और कल्पना की मदद से हम उस सत्य की नयी तस्वीर बनाते हैं और जिसे लिखे बिना रहा नहीं जाता और लिखने के बाद वह बिलकुल सच जैसा लगता है | इसीलिए लेखक अनुभव की अपेक्षा अनुभूति को ज्यादा मानता है |
Page no: 45, Block: प्रश्न अभ्यास

Q2.लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?
Answer.लेखक ने अख़बारों में हिरोशिमा के विस्फोटों के बारे में पढ़ा था और वह हिरोशिमा के अस्पतालों में भी गया था पीड़ितों को देखने लेकिन फिर भी वह खुद को इस घटना से जुड़ा महसूस नहीं कर रहा था | लेकिन एक दिन उसने एक पत्थर पर एक आदमी की छाया देखी, लेखक विज्ञान का छात्र था और उसे परमाणु बम के बारे में जानकारी थी तो छाया देखकर ही वह समझ गया की इस पत्थर के सामने जी भी खड़ा था परमाणु बम से निकले रेडियोधर्मी पदार्थों ने उसके शरीर की भाप बना दिया था और पत्थर को जला दिया जिसकी वजह से पत्थर पर उसकी छाया बन गयी | यह देखने के बाद लेखक ने खुद को हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता महसूस किया |
Page no: 45, Block: प्रश्न अभ्यास

Q3 मैं क्यों लिखता हूँ ? के आधार पर बताइये की-
(क) लेखक को कौन-सी बात लिखने के लिए प्रेरित करती है ?
(ख) किसी रचनाकार के प्रेरणा स्रोत किसी दूसरे को कुछ भी रचने के लिए किस तरह उत्साहित कर सकते हैं ?
Answer.(क) लेखक कभी कभी यह जानने के लिए लिखता है की वो आखिर क्यों लिखता है, यह उसकी सबसे मुख्य प्रेरणा है | लेखक के मन में कभी कभार ऐसी अभिव्यक्ति आ जाती है की वह उसे लिखे बिना रह ही नहीं पता है |
(ख) रचनाकार की कल्पना और उसकी अभिव्यक्ति उसको लिखने के लिए प्रेरित करती है | लेकिन कभी-कभी लेखक अपने सम्पादकों, प्रकाशकों और अपने आर्थिक लाभ के लिए भी लिखता है |
Page no: 45, Block: प्रश्न अभ्यास

Q4. कुछ रचनाकारों के लिए आत्मभूति/स्वयं के अनुभव के साथ-साथ बाह्य दबाव भी महत्वपूर्ण होता होता है | यह दबाव कौन-कौन से हो सकते हैं?
Answer. कुछ रचनाकारों की रचनाएँ उनके अनुभव से होती है तो कुछ रचनाकारों की रचना उनकी कल्पना और अनुभूति से होती है | इनके साथ-साथ रचनाकारों के ऊपर बाह्य दबाव भी होता है जैसे की उनके संपादकों और प्रकाशकों का आग्रह या फिर उनकी आर्थिक जरुरत |
Page no: 45, Block: प्रश्न अभ्यास

Q5.क्या बाह्य दबाव केवल लेखन से जुड़े रचना कारों को ही प्रभावित करते हैं या अन्य क्षेत्र से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं, कैसे ?

Answer.बाह्य दबाव सिर्फ लेखन से जुड़े रचना-कारों को ही नहीं बल्कि हर तरह के रचना-कारों को प्रभावित करता है | जैसे- चित्रकार और मूर्ति कारों को उसके ग्राहकों की तरफ से दबाव आता है और उसे ग्राहकों की इच्छा मुताबिक ही काम करना होता है | बड़े-बड़े अभिनेता और गायकों के ऊपर उनके निर्देशक और निर्माताओं का बहुत दबाव होता है, और इन पर इस बात का भी दबाव होता है की क्या इनका काम इनके दर्शकों को पसंद आएगा या नहीं |
Page no: 45, Block: प्रश्न अभ्यास

Q6.हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंतः या बाह्य दोनों दबाव का परिणाम है, यह आप कैसे कह सकते हैं ?
Answer.लेखक जब जापान यात्रा पर गया था तब वह हिरोशिमा विस्फोट के पीड़ितों को देखने गया | वहां पर वह जब उसने पीड़ितों को देखा तो उसको हृदय से बहुत पीड़ा हुई और उसको पीड़ितों के लिए सहानुभूति भी महसूस हुई | लेकिन इस पूरी घटना ने उसको लिखने के लिए प्रेरित नहीं किया था | लेखक को लिखने की प्रेरणा तब मिलती है जब वह पत्थर पर बानी छाया को देखता है और उसे महसूस होता है की इंसान ही इंसान को मार रहा है | उसने यह कविता सिर्फ उस छाया की वजह से लिखी थी | इससे यह पता चलता है की यह कविता अंतः और बाह्य दोनों दबावों का परिणाम है |
Page no: 45, Block: प्रश्न अभ्यास

Q7.हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है | आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ और किस तरह हो रहा है ?
Answer.विज्ञान ने हमारे जीवन को विकसित किया है और इसे आसान बनाया है लेकिन विज्ञान ने इसे बिगाड़ा भी हैं | विज्ञान का दुरुपयोग हर जगह हो रहा है जिसकी वजह से कई लोगों को परेशानियां आ रही हैं | विज्ञान ने कई ऐसी चीज़ों को जन्म दिया जो इंसान के लिए हानिकारक है जैसे - मिसाइलें और बम, आतंकवादी इन चीज़ों का इस्तेमाल करके ना जाने कितने लोगों की जानें ले चुके है | हर साल कहीं न कहीं आतंकी हमला होता है और उसमे कई लोगों की जानें जाती हैं | दूसरा दुरुपयोग है प्लास्टिक, प्लास्टिक का इस्तेमाल हर जगह और हर काम में होता है परन्तु यह एक ऐसी चीज़ है जो पर्यावरण को दूषित करती है | प्लास्टिक का कूड़ा हर जगह है, यह एक ऐसी चीज़ है जिसको नष्ट होने में चार सौ से भी ज्यादा वर्ष लगते हैं | विज्ञान की वजह से वातावरण में प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है जिसकी वजह से बीमारियाँ भी फ़ैल रही हैं |
Page no: 45, Block: प्रश्न अभ्यास

Q8.एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरुपयोग रोकने में आपकी क्या भूमिका है ?
Answer.एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरुपयोग होने से हमें रोकना चाहिए अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो यह गलत होगा | हम निम्नलिखित तरीकों से विज्ञान के दुरुपयोगों को रोक सकते हैं -
१) लोगों को प्लास्टिक और उसके विनाशकारी लक्षणों के बारे में जागरूक करना | उनसे प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करने का आग्रह करना और खुद भी उसका इस्तेमाल न करना |
२) लोगों को प्रदूषण के बारे में जागरूक करना, की प्रदूषण की वजह हमारे वातावरण में कितना नुकसान पहुंच रहा है और कई बीमारियाँ भी फैल रही हैं |
३) वैज्ञानिक हथियारों का अवैध रूप से हो रहे इस्तेमाल को लोगों की नज़र में लाना ताकि यह बंद हो सके | और लोगों को यह भी समझाना की हथियार हमारी सुरक्षा के लिए बने थे हमारे विनाश के लिए नहीं |
४) सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल के बारे में लोगों को जानकारी देना क्योंकि आज के ज़माने में सोशल मीडिया एक बहुत ही बड़ी चीज़ है | और हम इसको लोगो तक जानकारी पहुंचने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं |

Page no: 45, Block: प्रश्न अभ्यास

aglasem.com